महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगलधूसड़, गोरखपुर

सांस्कृतिक विभाग

वार्षिक रपट २०१९–२०२०

प्रस्तावना

सांस्कृतिक विभाग कला और संस्कृति के संरक्षण तथा विकास में अहम भूमिका निभाता है। इस विभाग का उद्देश्य ऐसी पद्धति विकसित करना है जिससे कला और संस्कृति से जुड़े बुनियादी सांस्कृतिक और सौंदर्यपरक मूल्यों तथा अवधारणाओं को जनमानस में जीवंत रखा जा सके। सांस्कृतिक गतिविधियों का विद्यार्थी जीवन में बहुत महत्व है। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सांस्कृतिक गतिविधियाँ सहायक होती है। विद्यार्थी को कड़े परिश्रम व पढ़ाई के लिए उत्साह प्रदान करती है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम से लोगों का अपनी संस्कृति से जुड़ाव सुनिश्चित होता है। लोग समाज व विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होते है। वही, समाज में सांस्कृतिक गतिविधियों से आपसी समन्वय बढ़ता है। सांस्कृतिक विभाग द्वारा शैक्षिक गतिविधियों में विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास और उनके सौदर्य बोध को विकसित करने पर जोर दिया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिलता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम का अर्थ है– किसी संस्कृति की विशेषताओं को कला के माध्यम से प्रस्तुत करना। पढ़ाई के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अपना अलग ही महत्व है। इसके माध्यम से बच्चों को आगे बढने का मंच प्राप्त होता है। तथा अपना कौशल दिखाने का अवसर भी प्राप्त होता है।

Dipti Gupta

सुश्री दीप्ती गुप्ता
सांस्कृतिक विभाग प्रभारी

उद्देश्य

हमारे महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम वर्ष के प्रारम्भ से अन्त तक होते है तथा महाविद्यालय में घना सांस्कृतिक माहौल बनाये रहते है। सांस्कृतिक विभाग छात्र–छात्राओं के बौद्धिक, सामाजिक, नैतिक, भावनात्मक एवं सौन्दर्य विकास में अहम भूमिका निभाता है। महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे रंगोली, मेंहदी, पोस्टर, गायन, नाटक, पाक्कला, हस्तकला आदि के माध्यम से छात्र–छात्राओं में सौन्दर्यात्मक आस्वादन जाग्रत कर निखारने का भी अवसर प्रदान करता है। किसी भी कार्य को संगठित रूप में कैसे करना चाहिए, कौशल विकसित किया जाए, सहयोग तथा विभिन्न परिस्थितियों में समन्वय कैसे रखा जाए आदि सिखाता है। वाद–विवाद एवं भाषण के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वतन्त्र रूप से अभिव्यक्त करने के लिए सक्षम बनाता है। सांस्कृतिक विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएं छात्रों में अभिनय, गायन एवं काव्यपाठ प्रोत्साहित करते है। सांस्कृतिक विभाग महाविद्यालय के संस्कृति, परिसर का माहौल, छात्रो का नैतिक चरित्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्देश्य यही होता है, मन के संस्कारों का निर्माण करने के लिए जिन भी कार्यक्रमों का चयन किया जाए वो अनुभूति कराने में सफल हो और मन पर अच्छा प्रभाव भी डाल सके, अच्छे संदेश समाज तक पहुँचा सके साथ ही साथ ऐसी सीख भी दे सके जिससे कि अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति
2019–2020

सुश्री दीप्ती गुप्ता, प्रभारी
श्रीमती विभा सिंह, सह प्रभारी
सुश्री रचना सिंह, सह प्रभारी

श्री सत्य प्रकाश तिवारी	बी.ए. भाग दो
श्री आलोक कुमार	बी.ए. भाग दो
श्री सर्वेश्वर कांत चन्द्र	बी.ए. भाग दो
सुश्री रागिनी राय	बी.एस–सी. भाग तीन
श्री विकास कुमार गुप्ता	बी.ए. भाग एक
सुश्री नेहा सिंह	बी.एस–सी. भाग एक

प्रार्थना सभा

महाविद्यालय में 01 अगस्त से प्रार्थना सभा प्रारम्भ होती है। प्रार्थना सभा में राष्ट्रगान, ईश वन्दना, सरस्वती वन्दना और राष्ट्रगीत के साथ महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथि पर संक्षिप्त व्याख्यान सम्पन्न होता है एवं निर्धारित तिथियों में श्रीमद्भगवतगीता के श्लोकों

का हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत में वाचन किया जाता है और प्रत्येक शनिवार को प्राणायाम एवं योगाभ्यास का कार्यक्रम सम्पन्न किया जाता है। सांस्कृतिक विभाग प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता एवं सांस्कृतिक विभाग की छात्र–छात्राओं ने वाद्ययंत्र के संगत पर सत्र भर सहयोग कर प्रार्थना सभा सम्पन्न करायी।

प्रार्थना सभा में सहयोग करने वाले छात्र–छात्राएं

दिन	नाम	कक्षा
सोमवार मंगलवार	सुश्री श्वेता गौंड	बी.एड्. प्रथम वर्ष
	सुश्री शशिवाला	बी.एड्. प्रथम वर्ष
	सुश्री हर्षा गुप्ता	बी.एड्. प्रथम वर्ष
	श्री सिद्धार्थ शुक्ला	बी.एड्. द्वितीय वर्ष
बुधवार गुरुवार	सुश्री अर्पिता त्रिपाठी	बी.ए प्रथम वर्ष
	सुश्री निष्ठा मिश्रा	एम. ए. प्रथम वर्ष
	सुश्री इशिका सिंह	बी.एस–सी. प्रथम वर्ष
	श्री विजय कुमार	बी.एड. द्वितीय वर्ष
शुक्रवार	सुश्री सपना सिंह	बी.ए प्रथम वर्ष
	सुश्री सारिका पटेल	बी.काम. द्वितीय वर्ष
	सुश्री हिमानी मिश्रा	बी.एड. द्वितीय वर्ष
	श्री प्रकाश पाण्डेय	बी.ए. द्वितीय वर्ष
शनिवार	योग	प्राचार्य / शिक्षक

सांस्कृतिक विभाग 2019–2020

प्रार्थना सभा में नवप्रवेशार्थी विद्यार्थी स्वागत समारोह एवं बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास टंडन जयन्ती

सत्र की शुरूआत 1 अगस्त से नियमित प्रार्थना सभा से की गयी। बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास टंडन जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप

कुमार राव ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उपरोक्त दोनों महापुरुषों के व्यक्तित्व पर अपना विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर सत्र के प्रथम दिन सांस्कृतिक विभाग की छात्राएं सुश्री वर्षा जायसवाल (बी.एड्. द्वितीय वर्ष), सुश्री ललिता (बी.ए. तृतीय वर्ष), सुश्री श्वेता गौड़ (बी.एड. प्रथम वर्ष) एवं सुश्री हर्षा गुप्ता (बी.एड्. प्रथम वर्ष) ने राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना तथा ईश वन्दना प्रस्तुत किया तत्पश्चात् नवप्रवेशार्थियों का स्वागत स्वागतगीत द्वारा किया गया।

श्री मुरारी लाल माहेश्वरी स्मृति राष्ट्रीय वाद–विवाद प्रतियोगिता

श्री मुरारी लाल माहेश्वरी स्मृति राष्ट्रीय वाद–विवाद प्रतियोगिता 'विचार प्रवाह' के तहत जिला स्तर

पर आयोजित 'एक देश एक चुनाव' विषय पर एम.जी.पी.जी. कॉलेज में आयोजित की गई। जिसमें महाविद्यालय के छात्र प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने पक्ष में तथा सत्यप्रकाश तिवारी (द्वितीय वर्ष) विपक्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में आठ कॉलेज जिसमें प्रमुख रूप से (एम.जी.पी.जी., मारवाड़ पी.जी., सी.आर.डी. दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज इत्यादि) कुल 09 टीमों ने प्रतिभाग

किया। कार्यक्रम के मुख्य (अतिथि मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. एन सिंह तथा कार्यक्रम अध्यक्ष एम.जी.पी.जी. कालेज के प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने विजेता टीम को प्रशस्ति पत्र तथा नकद राशि देकर सम्मनित किया।

विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित......

खपुर CITY गोरखपुर । मंगलवार । 30 जुलाई 2019 5

विजेता प्रतिभागियों के साथ एमएमएमयूटी के कुलपति श्री निवास सिंह व प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव।

खपुर युवा Youth — amarujala.com — गोरखपुर | मंगलवार, 30 जुलाई 2019 — 7

श्री मुरारीलाल माहेश्वरी स्मृति राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बेबाकी से रखे अपने तर्क

एमपीपीजी कॉलेज की टीम बनी विजेता

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। श्री मुरारीलाल माहेश्वरी स्मृति राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता 'विचार-प्रवाह' के तहत जिला स्तर पर आयोजित मुकाबले में एमपीपीजी कॉलेज की टीम ने बाजी मारी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने तर्क आधारित वैचारिक मतों से खूब प्रभावित किया। 'एक देश एक चुनाव' विषय वाद-विवाद में पक्ष और विपक्ष ने बेहतर तालमेल से न सिर्फ अपनी बातों को सही साबित करने की कोशिश की बल्कि तथ्य और तर्कों की काबिलियत के बलबूते पुरस्कार के हकदार भी बने।

विजेता टीम एमपीपीजी कॉलेज जंगलधूसड़ के सत्यप्रकाश तिवारी और प्रकाश पांडेय ने अपने तर्कों से सभी को प्रभावित कर पहला पुरस्कार जीता। दिग्विजय नाथ एलटी कॉलेज की मानसी सिंह और नितेश पांडेय की टीम दूसरे, मारवाड़ बिजनेस स्कूल की आकांक्षा श्रीवास्तव व पहल गुप्ता की टीम तीसरे स्थान पर रही।

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) के जय कुमार और दिव्यांशी श्रीवास्तव तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के कमलेश यादव और अरुण मिश्रा को सांत्वना पुरस्कार मिला। मुख्य अतिथि एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो. एसएन सिंह एवं कार्यक्रम अध्यक्ष एमजीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने विजेता टीमों को प्रशस्ति पत्र और नकद राशि देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि सफलता की कुंजी असफलताओं से ही मिलती है।

हार-जीत पर ध्यान न दें बल्कि कमियों को चिह्नित करें और भविष्य में बेहतर करने की कोशिश करें। उन्होंने अन्य प्रतिभागियों को निराश न होकर और बेहतर करने की सलाह दी। ऐसे आयोजन कराकर विद्यार्थियों को मंच उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने अमर उजाला की पहल को सराहा। निर्णायक मंडल में गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा और प्रो. शिखा सिंह रहे। प्रो. हर्ष ने बताया कि विजेता का चयन तथ्यों की प्रस्तुति, प्रदर्शन, श्रोताओं को प्रभावी ढंग से अपनी बात समझाने आदि बिंदुओं पर किया गया।

विजेता प्रतिभागियों के साथ मुख्य अतिथि एमएमएमयूटी के कुलपति श्रीनिवास सिंह व एमपीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डा. शैलेन्द्र श्रीवास्तव।

श्री मुरारीलाल माहेश्वरी स्मृति
राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता

अमर उजाला की ओर से आयोजित राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में उपस्थित लोग।

अमर उजाला की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में वक्ताओं को सुन कर अच्छा लगा, भविष्य में इस तरह की प्रतियोगिता में मैं भी प्रतिभाग करूंगी। -संध्या शर्मा, छात्रा

प्रतिभागियों को वाद-प्रतिवाद करते देख उत्साहित हूं। देश के लोकतांत्रिक ढांचे के बारे में जानने को मिला। ऐसी प्रतियोगिताएं होती रहनी चाहिए। -उमेश्वर, छात्र

केंद्र व राज्य में एक साथ चुनाव क्यों हो और क्यों न हो, इन दोनों बिंदुओं को सही से समझ सकी हूं, प्रतियोगिता से सोचने का नजरिया बदला है। -श्वेता, छात्रा

प्रतियोगिता में वक्ताओं को सुनकर अच्छा लगा। हफ्ते में एक दिन किसी विषय पर चर्चा की जाएगी, जिससे उससे बेहतर जानकारी हो सके। -उत्सव, छात्र

कॉलेजों की नौ टीमों ने किया प्रतिभाग

महात्मा गांधी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के सभागार में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में शहर के आठ कॉलेजों की नौ टीमों ने भाग लिया। गोरखपुर विश्वविद्यालय, चंद्रकांति देवी रमावती देवी आर्य महिला पीजी कॉलेज, सेंट एंड्रयूज कॉलेज, गंगोत्री देवी महिला पीजी कॉलेज, एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़, दिग्विजयनाथ एलटी कॉलेज, मारवाड़ बिजनेस स्कूल की एक-एक तथा एमएमएमयूटी की दो टीमों ने हिस्सा लिया।

निर्णायक मंडल में प्रो. हर्ष सिन्हा और प्रो. शिखा सिंह रहे।

विजेताओं के पक्ष और विपक्ष के तर्क

विजेता टीम के प्रकाश पांडेय ने एक देश एक चुनाव का पक्ष लेते हुए तर्क दिए कि बार-बार चुनाव होने के कारण अधिकतर लोग मतदान में रुचि नहीं लेते। यदि पांच साल में एक बार चुनाव होगा तो सभी उत्साह से भाग लेंगे जिससे मतदान प्रतिशत बढ़ेगा। 2019 में हुए चुनाव में 64,000 करोड़ रुपये खर्च हुए, देश के सभी चुनाव इस एक खर्च में हो जाते तो बाकी बची राशि से पूरे देश में एम्स जैसे अस्पताल खोले जा सकते हैं। विपक्ष में सत्य प्रकाश का तर्क था कि लोकतंत्र में हर एक मतदाता की सहभागिता होनी जरूरी है। एक देश एक चुनाव के लिए हम कितने तैयार हैं इस पर विचार करना होगा। राज्यों में मध्यावधि चुनाव की स्थिति से कैसे निपटेंगे? राष्ट्रीय मुद्दे प्रादेशिक मुद्दों पर हावी हो जाएंगे और स्थानीय दलों की भूमिका नगण्य हो जाएगी।

दूसरे स्थान पर रही दिग्विजय नाथ एलटी कॉलेज की टीम की मानसी सिंह का तर्क था कि एक देश एक चुनाव से क्षेत्रीय दलों और विपक्ष को खतरा नहीं है, इसके लिए सृजनात्मक अविश्वास प्रस्ताव का प्रावधान किया जाए। इसका अर्थ है कि कोई पार्टी तब तक अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकती जब तक वह खुद सदन में बहुमत साबित करने योग्य नहीं हो जाती। विपक्ष में नितेश पांडेय का तर्क था कि केंद्र व राज्य सरकार पांच साल के लिए चुनी जाती हैं। एक देश एक चुनाव के लिए राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल घटाना बढ़ाना पड़ेगा, ऐसा संशोधन करना संविधान की मूल भावना के खिलाफ होगा, राज्यों की स्वायत्तता पर भी प्रहार होगा।

विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित......

विजेताओं के पक्ष व विपक्ष के तर्क

गोरखपुर। विजेता टीम के प्रकाश पांडेय ने एक देश एक चुनाव का पक्ष लेते हुए तर्क दिए कि बार-बार चुनाव होने के कारण अधिकतर लोग मतदान में रुचि नहीं लेते। यदि पांच साल में एक बार चुनाव होगा तो सभी उत्साह से भाग लेंगे जिससे मतदान प्रतिशत बढ़ेगा। 2019 में हुए चुनाव में 64,000 करोड़ रुपये खर्च हुए, देश के सभी चुनाव इस एक खर्च में ही हो जाते तो बाकी बची राशि से पूरे देश में एम्स जैसे अस्पताल खोले जा सकते हैं। विपक्ष में सत्य प्रकाश का तर्क था कि लोकतंत्र में हर एक मतदाता की सहभागिता होनी जरूरी है। एक देश एक चुनाव के लिए हम कितने तैयार हैं इस पर विचार करना होगा। राज्यों में मध्यावधि चुनाव की स्थिति से कैसे निपटेंगे? राष्ट्रीय मुद्दे प्रादेशिक मुद्दों पर हावी हो जाएंगे और स्थानीय दलों की भूमिका नगण्य हो जाएगी।

दूसरे स्थान पर रही दिग्विजय नाथ एलटी कॉलेज की टीम की मानसी सिंह का तर्क था कि एक देश एक चुनाव से जाति-धर्म, क्षेत्रीय दलों और विपक्ष को खतरा नहीं है, इसके लिए सृजनात्मक अविश्वास प्रस्ताव का प्रावधान किया जाए। इसका अर्थ है कि कोई पार्टी तब तक अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकती जब तक वह खुद सदन में बहुमत साबित करने योग्य नहीं हो जाती। विपक्ष में नितेश पांडेय का तर्क था कि केंद्र या राज्य सरकार पांच साल के लिए चुनी जाती हैं। एक देश एक चुनाव के लिए राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल घटाना या बढ़ाना पड़ेगा, ऐसा संशोधन करना संविधान की मूल भावना के खिलाफ होगा, राज्यों की स्वायत्तता पर भी प्रहार होगा।

राष्ट्रीय वाद विवाद प्रतियोगिता के निर्णायक प्रो हर्ष कुमार सिन्हां व प्रो शिखा सिंह।

अमर उजाला www.amarujala.com

तर्क और प्रभावी प्रस्तुति से एमपीपीजी कॉलेज की टीम बनी विजेता

श्री मुरारीलाल माहेश्वरी स्मृति राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बेबाकी से रखे अपने तर्क

गोरखपुर। श्री मुरारीलाल माहेश्वरी स्मृति राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता 'विचार-प्रवाह' के तहत जिला स्तर पर आयोजित मुकाबले में एमपीपीजी कॉलेज की टीम ने बाजी मारी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने तर्क आधारित वैचारिक मतों से खूब प्रभावित किया। 'एक देश एक चुनाव' विषय वाद-विवाद में पक्ष और विपक्ष ने बेहतर तालमेल से न सिर्फ अपनी बातों को सही साबित करने की कोशिश की बल्कि तथ्य और तर्कों की काबिलियत के बलबूते पुरस्कार के हकदार भी बने।

विजेता टीम एमपीपीजी कॉलेज जंगलधूसड़ के सत्यप्रकाश तिवारी और प्रकाश पांडेय ने अपने तर्कों से सभी को प्रभावित कर पहला पुरस्कार जीता। दिग्विजय नाथ एलटी कॉलेज की मानसी सिंह और नितेश पांडेय की टीम दूसरे, मारवाड़ बिजनेस स्कूल की आकांक्षा श्रीवास्तव व पहल गुप्ता की टीम तीसरे स्थान पर रही। एमएमएमयूटी के जय कुमार और दिव्यांशी श्रीवास्तव तथा दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कमलेश यादव और अरुण मिश्रा को सांत्वना पुरस्कार मिला। मुख्य अतिथि एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो. एसएन सिंह एवं कार्यक्रम अध्यक्ष एमजीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र कुमार [illegible] ने विजेता टीमों को प्रशस्ति पत्र और नकद राशि देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि सफलता की कुंजी असफलताओं से ही मिलती है। हार-जीत पर ध्यान न दे बल्कि कमियों को चिह्नित करें और भविष्य में बेहतर करने की कोशिश करें। उन्होंने हारे हुए प्रतिभागियों को निराश न होकर और बेहतर करने की सलाह दी। ऐसे आयोजन कराकर विद्यार्थियों को एक बेहतर मंच उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने अमर उजाला की पहल को सराहा। निर्णायक मंडल में विश्वविद्यालय के प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा और प्रो. शिखा सिंह रहे। प्रो. हर्ष ने बताया कि विजेता का चयन तथ्यों की प्रस्तुति, प्रदर्शन, श्रोताओं को प्रभावी ढंग से अपनी बात समझाने आदि बिंदु आधार पर किया गया।

सत्यप्रकाश तिवारी और प्रकाश पांडेय की टीम ने पहला पुरस्कार जीता। वाद-विवाद प्रतियोगिता में उपस्थित लोग।

अमर उजाला की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में वक्ताओं को सुन कर अच्छा लगा, भविष्य में इस तरह की प्रतियोगिता में मैं भी प्रतिभाग करूंगी। – संध्या शर्मा, छात्रा

केंद्र और राज्य में एक साथ चुनाव क्यों होने चाहिए और क्यों नहीं, अब इन दोनों बिंदुओं को बेहतर ढंग से समझ सकी हूं, प्रतियोगिता ने मेरा किसी भी विषय पर सोचने का नजरिया बदल दिया है। – श्वेता यादव, छात्रा

प्रतिभागियों को वाद-प्रतिवाद करते देख उत्साहित हूं। देश के लोकतांत्रिक ढांचे के बारे में बहुत कुछ जानने को मिला। इस तरह के प्रतियोगिताएं होती रहनी चाहिए। – उमेश्वर कुशवाहा, छात्र

वाद-विवाद प्रतियोगिता में वक्ताओं को सुनकर अच्छा लगा। साथियों ने सोचा है कि सप्ताह में एक दिन किसी विषय पर आपस में चर्चा की जाएगी, जिससे उस विषय के पक्ष और विपक्ष की बेहतर जानकारी हो। – उत्सव श्रीवास्तव, छात्र

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त को महाविद्यालय में 73 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्सवपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान, वन्देमातरम् सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया

गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत राष्ट्रभक्ति गीत, प्रेरणास्पद उद्‌बोधन, सामाजिक समस्या आधारित नाटक एवं देश भक्ति नाटक जैसे कार्यक्रम छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य जी ने पराम्परानुसार अपने उद्‌बोधन में महाविद्यालय के प्रयत्नों एवं संकल्पों को

ही शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप भेंट करते हुए राष्ट्रनिर्माण में महाविद्यालय के भूमिका की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष (सेवानिवृत्त) प्रो. वी.के. श्रीवास्तव ने उद्‌बोधन के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थी

संचालन– श्री माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड प्रथम वर्ष)
श्री दिव्यम श्रीवास्तव (बी.एड प्रथम वर्ष)
पूर्व विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, दी.द.उ.गो वि.)

नाम / कक्षा	कार्यक्रम
♦ सुश्री अंकिता प्रजापति (बी.ए. द्वितीय वर्ष)	गणेश वन्दना
♦ अभिषेक जायसवाल (बी.ए. प्रथम वर्ष)	एकल–देशभक्ति गीत
♦ हिमानी मिश्रा (बी.एड. द्वितीय वर्ष)	कविता
♦ सुश्री तान्या (बी.ए. द्वितीय वर्ष)	अंग्रेजी भाषण
♦ प्रकाश पाण्डेय(बी.ए. द्वितीय वर्ष)	भाषण / हास्यव्यंग्य
♦ उन्नति ग्रुप (बी.ए. द्वितीय वर्ष)	समूह देशभक्ति नृत्य
♦ श्री सर्वेश्वर कांत चन्द्र (बी.ए. द्वितीय)	एकल देशभक्ति गीत
♦ सुश्री मनसा, सुश्री प्रीति (बी.एस–सी. द्वितीय)	युगल देशभक्ति नृत्य
♦ बी.एड्. प्रथम वर्ष के छात्र ग्रुप	नाटक
♦ चन्दन तिवारी (बी.ए. द्वितीय)	एकल देशभक्ति गायन
♦ ज्योति सिंह राजपूत (बी.एड्. प्रथम वर्ष)	युगल नृत्य
♦ सुश्री श्वेता, सुश्री मंजू (बी.एस–सी. तृतीय वर्ष)	सामाजिक गीत
♦ सुश्री इशिका (बी.ए प्रथम वर्ष)	एकल देशभक्ति
♦ मुख्य अतिथि उदबोधन (प्रो. बी.के सिंह)	उदबोधन

युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 05 वीं पुण्यतिथि के पावन स्मृति में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का उद्घाटन समारोह

युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं एवं राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का उद्घाटन कार्यक्रम 16 अगस्त को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान माला के उद्घाटन अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनन्त नारायण भट्ट ने ''आयुर्वेद एण्ड मार्डन मेडिसिन : प्रास्पेक्टस, लिमिटेशन्स एण्ड चैलेंजेज'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. विजय कुमार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी एवं आभार ज्ञापन डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक विभाग की छात्राएं सुश्री मनीषा वर्मा, सुश्री श्वेता गौड़, सुश्री ललिता गुप्ता, सुश्री अम्बिका शर्मा ने सरस्वती वन्दना, कुलगीत एवं सुश्री ज्योति सिंह राजपूत ने एकल बोधगीत (निर्माणों के पावन युग में......) तथा राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया।

व्याख्यान माला का दूसरा दिन

17 अगस्त को मुख्य वक्ता भारतीय सेना के अवकाश प्राप्त ले. जनरल मानवेन्द्र सिंह ने ''सशस्त्र बलों को जाने'' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दूसरे वक्ता के रूप

में महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनय कुमार सिंह ने 'क्लाईमेंट चेंज एण्ड ग्लोबल वार्मिंग' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सुश्री श्वेता गौड़, मनीषा वर्मा, सुश्री पूजा सिंह के द्वारा सरस्वती वन्दना एवं स्वागतगीत के साथ हुआ।

व्याख्यान माला का तीसरा दिन

18 अगस्त को 'भारत की आपराधिक न्याय व्यवस्था विषय पर सी.बी.आई. नई दिल्ली के लोक अभियोजक श्री विजय कृष्ण पाठक ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान् ने ''इमर्सन एण्ड हिज हिन्दू फिलॉसफी'' विषय पर

व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक विभाग की छात्रा सुश्री वर्षा जायसवाल, सुश्री नीलम मिश्रा, सुश्री ज्योत्सना द्वारा सरस्वती वन्दना, कुलगीत, स्वागतगीत एवं समापन राष्ट्रगीत के साथ हुआ।

व्याख्यान माला का चौथा दिन

19 अगस्त को कार्यक्रम का शुभारम्भ सांस्कृतिक विभाग की छात्रा सुश्री हिमानी मिश्रा, सुश्री अम्बिका शर्मा, सुश्री ललिता द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत कर किया गया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं वैज्ञानिक प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने ''अस्तित्व के केन्द्र से अस्तित्व के केन्द्र तक ऊर्जा का प्रवाह'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट

प्रोफेसर डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने ''डिजीटल इण्डिया के बढ़ते कदम'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत के साथ सम्पन्न हुआ।

व्याख्यान माला का पांचवा दिन

20 अगस्त को ''प्राचीन भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियाँ'' विषय पर रसायनशास्त्र विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी के आचार्य डॉ. वी. रामानाथन ने व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा दूसरे वक्ता के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने

''वैश्विक स्तर पर उभरता भारत'' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत सुश्री रितिमा पासवान, सुश्री अंजली प्रजापति, सुश्री नीलम मिश्रा आदि गीत सांस्कृतिक विभाग की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया।

व्याख्यान माला का छठवां दिन

21 अगस्त को नई दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार श्री दिलीप सिंह ने ''भारतीय मीडिया की चुनौतियाँ'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर ने ''लिक्विड क्रिस्टल एण्ड इट्स एप्लीकेशन''

विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत सुश्री शशिबाला पटेल, सुश्री पूजा कुमारी, सुश्री रितिमा पासवान, सुश्री नीलम मिश्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

व्याख्यान माला का समापन समारोह

22 अगस्त को महाविद्यालय में आयोजित युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यान माला के समापन अवसर पर ''नवगठित सरकार एवं सरकार के समक्ष आंतरिक चुनौतियाँ'' विषय पर प्रतिष्ठित

राजनैतिक–सामाजिक चिंतक एवं विचारक पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं प्रबन्ध समिति के अध

यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने तथा आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। कार्यक्रम के समापन समारोह में सांस्कृतिक विभाग की छात्रा सुश्री ललिता गुप्ता, सुश्री अम्बिका शर्मा, सुश्री रितिमा पासवान, सुश्री पूजा सिंह द्वारा सरस्वती वन्दना, कुलगीत प्रस्तुत किया गया एवं एकल गीत सुश्री ललिता गुप्ता ने प्रस्तुत किया। समापन राष्ट्रगीत से साथ हुआ।

स्वर्ण जयन्ती समारोह

दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज में ''स्वर्ण जयन्ती सप्ताहिक समारोह'' के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। इस अवसर पर 26 अगस्त को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के निखिल (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष), पूजा सिंह, श्वेता मल्ल, मंजू पाण्डेय (बी.एड्. प्रथम वर्ष) तथा निष्ठा मिश्रा (एम. ए. प्रथम वर्ष) की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

रंगोली प्रतियोगिता में 08 महाविद्यालय (सी. आर.डी. पी.जी. कालेज, सेन्ट एण्ड्रूयज पी.जी. कालेज, एम.जी. पी.जी. कालेज) आदि ने प्रतिभाग किया जिसमें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया।

''स्वर्ण जयन्ती सप्ताहिक समारोह'' के अन्तर्गत 27 अगस्त को दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज में **भाषण प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया जिसमें महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज के प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. द्वितीय वर्ष), अंकित पाण्डेय (बी.ए. तृतीय वर्ष) माधवेन्द्र पति त्रिपाठी एवं अनित पटेल (बी.एड्. प्रथम वर्ष), हिमानी मिश्रा (बी.एड्. द्वितीय वर्ष), ने प्रतिभाग किया तथा प्रकाश पाण्डेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

स्वर्ण जयन्ती सप्ताहिक समारोह'' के अन्तर्गत 29 अगस्त को दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज में **आशुभाषण प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। जिसमें महाराणा प्रताप पी.जी.

कॉलेज के राहुल गिरि (एम.ए. प्रथम वर्ष), प्रिया दूबे (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष) तथा अंकित पाण्डेय (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने प्रतिभाग किया प्रतियोगिता में प्रिया दूबे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ जी महाराज द्वारा प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया।

युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं पुण्यतिथि तथा राष्ट्रसंत गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज श्रद्धांजलि समारोह

17 सितम्बर को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं पुण्यतिथि तथा राष्ट्रसंत गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 05 वीं पुण्यतिथि के स्मृति में महाविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के

रूप में किसान पी.जी. कॉलेज, सेवरही के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने महाराज जी द्वय के व्यक्तित्व एवं उनके सामाजिक, राष्ट्रीय अवदानों पर अपने उद्बोधन के माध्यम से प्रकाश डाला। इस अवसर पर सांस्कृतिक विभाग प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, श्री श्रीकांत मणि त्रिपाठी ने महाराज जी लोगों के विराट व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धाजलि सभा में सांस्कृतिक विभाग की छात्रा सुश्री अर्पिता त्रिपाठी, सुश्री हर्षा गुप्ता, सुश्री अम्बिका शर्मा, सुश्री रितिमा पासवान आदि के द्वारा सरस्वती वन्दना, श्रद्धांजलि गीत

(गुरूवर कृपा कर दों....) कुलगीत (शिक्षा परिषद ज्ञान की मंदाकिनी.....) राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया गया।

गांधी जयन्ती व लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150वीं जयन्ती एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की 116वीं जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव द्वारा ध्वजारोहण किया

गया। तत्पश्चात महाविद्यालय के विभिन्न विभाग के गोद लिए लगभग 700 विद्यार्थियों ने अपने–अपने विभाग के कुल 18 अधिग्रहित गाँव में ''प्लास्टिक मुक्त भारत'' जनजागरण अभियान के अन्तर्गत ग्रामवासियों को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने हेतु जागरूक किया।

इस अवसर पर सांस्कृतिक विभाग के मार्गदर्शन में बी.एड्. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी श्री विजय कुमार, श्री सिद्धार्थ शुक्ला, श्री सुनील गुप्ता, श्री सरफराज अहमद, सुश्री रितिमा पासवान, सुश्री तुलसी सिंह, सुश्री नेहा पासवान और बी.एड्. प्रथम वर्ष के विद्यार्थी श्री प्रदीप कुमार, सुश्री

हर्षा गुप्ता, सुश्री अंजली, श्री आलोक कुमार आदि के द्वारा मंझरिया गाँव में 'सिंगल यूज प्लास्टिक' पर आधारित 'नुक्कड़ नाटक' के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक किया गया।

गोरखपुर। बृहस्पतिवार • 3 अक्टूबर • 2019

सहारा | www.rashtriyasahara.com

बैनर तख्ती के साथ टोलियों में निकले विद्यार्थी

गोरखपुर(एसएनबी)। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आज महात्मा गांधी के 150वीं जयन्ती एवं भारत के पूर्व यशस्वी प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 116वीं जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय अपने आस-पास के गोद लिए 18 गांवों में बीस विभाग के सैंकड़ों विद्यार्थियों ने अपने-अपने विभाग के साथ प्लास्टिक मुक्त भारत जनजागरण अभियान के अन्तर्गत घर-घर जाकर ग्रामवासियों को प्लास्टिक का प्रयोग न करने हेतु जागरूक किया। इससे पूर्व प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ध्वजारोहण करते हुए गॉव में जाने वाले विद्यार्थियों को सम्बोधित किया तथा कहा कि प्रत्येक भारतीय की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह स्वयं सिंगलयूज प्लास्टिक का प्रयोग न करे और लोगो को जागरूक भी करें।

amarujala.com

गोरखपुर | बृहस्पतिवार, 3 अक्तूबर 2019 7

एमपीपीजी : अनोखे ढंग से मनाई गई जयंती

गोरखपुर। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में बुधवार को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 116वीं जयंती पर करीब सात सौ विद्यार्थियों ने प्लास्टिक मुक्त भारत जागरण अभियान चलाया। महाविद्यालय के आसपास के 18 गांवों में विद्यार्थियों ने लोगों को प्लास्टिक की बुराईयों से अवगत कराया। विद्यार्थी अपने अपने विभाग के अनुसार गोद लिए गए गांवों बड़ी रतवहिया, छोटी रतवहिया, जंगल औराही, ककरहिया, तिनकोनिया नं. 1, छोटी जमुनहिया, भट्ठा कालोनी, मीरागंज, लालगंज, बड़ी जमुनहिया, धोबड़ी, लक्ष्मीपुर रामपुर, भगवानपुर, सेखवनिया, नया टोला, मंझरिया और हसनगंज गए और लोगों को प्लास्टिक के कारण होने वाले नुकसान बताते हुए इसे त्यागने को प्रेरित किया। इससे पहले प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ध्वजारोहण किया राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के बाद उन्होंने छात्रों को संबोधित किया।

युवा

हिन्दुस्तान 06

गोरखपुर • गुरुवार • 03 अक्तूबर 2019

गांधी और शास्त्री जयंती पर घर-घर पहुंचकर महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के 700 विद्यार्थियों ने बताए सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरे

18 गांवों में जगाई सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करने की अलख

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में महात्मा गांधी की 150वीं एवं भारत के पूर्व यशस्वी प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 116वीं जयंती अलग ढंग से मनाई गई। महाविद्यालय के करीब 700 विद्यार्थी और शिक्षक अलग-अलग समूहों में बंटकर 18 गांवों में गए और ग्रामीणों से सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरे समझाकर इनका बहिष्कार करने की अपील की।

गांव के स्कूलों में भी गए और बच्चों को भी अभियान का हिस्सा बनाया। इन सभी 18 गांवों को कॉलेज ने गोद ले रखा है। अलग-अलग संकाय और विभागों ने अलग-अलग गांव गोद लिए हैं। सुबह कॉलेज में गांधी और शास्त्री जी को नमन करने के बाद प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने विद्यार्थियों को अभियान की जानकारी दी और कहा किया गोद लिए गए गांव में अलग-अलग समूह बनाकर विद्यार्थियों और शिक्षकों को रवाना किया। 20 विभागों के करीब 700 विद्यार्थियों ने प्लास्टिक मुक्त भारत जनजागरण अभियान के तहत घर-घर जाकर ग्रामवासियों को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने हेतु जागरूक किया। ग्रामवासियों को बताया गया कि प्लास्टिक स्वस्थ मानव जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसको जलाने से वायु प्रदुषण फैलता है और जमीन के अन्दर डालने से खेती की जमीन उसर हो जाती है। घर के पुराने कपड़े और अखबार से झोले और पैकेट बनाकर रोजमर्रा की अवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्लास्टिक के विकल्प के रूप में प्रयोग करना प्रदूषण की दृष्टि से और मानव जीवन की दृष्टि से अहम है।

इससे पूर्व प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने ध्वजारोहण किया। रध्वजारोहण के बाद प्राचार्य डॉ. राव ने गांव में जाने वाले विद्यार्थियों से कहा कि प्रत्येक भारतीय की नैतिक जिम्मेदारी हो गयी है कि वह स्वयं सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करे और लोगों को जागरूक भी करे। इस दृष्टि से आज का यह अभियान महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा है। हम सबकी निष्ठा और श्रद्धा के साथ गांव की सेवा का एक-एक कदम अत्यन्त महत्वपूर्ण है। कॉलेज में फिट इंडिया प्लान रन के तहत विद्यार्थियों और शिक्षकों ने दौड़ लगाकर स्वस्थ भारत हेतु जनजागरण भी किया।

ग्रामीणों को बुधवार को समझाते एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के छात्र- छात्राएं।

इन गांवों में पहुंची टोलियां

हिन्दी विभाग बड़ी रतवहिया, प्राचीन इतिहास छोटी रतवहिया, भूगोल जंगल औराही, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र व राजनीति शास्त्र विभाग ककरहिया, समाजशास्त्र विभाग तिनकोनिया नं. एक, मनोविज्ञान विभाग छोटी जमुनहिया, इतिहास विभाग भट्ठा कॉलोनी, रक्षा अध्ययन मीरागंज, लालगंज और कम्प्यूटर विभाग बड़ी जमुनहिया, गणित विभाग धोबड़ी, प्राणि विज्ञान विभाग लक्ष्मीपुर, रसायन शास्त्र विभाग रामपुर, भौतिक विज्ञान विभाग भगवानपुर, वनस्पति विज्ञान विभाग सेखवनिया, गृहविज्ञान विभाग नया टोला, राष्ट्रीय सेवा योजना मझरिया, बीएड विभाग मझरिया और शिक्षाशास्त्र विभाग की टीम हसनगंज पहुंची।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

05–06 अक्टूबर को महाविद्यालय में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित ''वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य एवं भारत–उपमहाद्वीप : चुनौतियां और अवसर, विषयक पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में

मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पूर्व कुलपति एवं सर्वे ऑफ इण्डिया के पूर्व महानिदेशक डॉ. पृथ्वीशनाग ने किया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता मदन

मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. श्रीनिवास सिंह ने किया।उद्घाटन समारोह में सुश्री श्वेता गौड़, सुश्री हर्षा गुप्ता, सुश्री अर्पिता त्रिपाठी, सुश्री ज्योत्सना डेविड ने सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत एवं बोधगीत सुश्री ज्योति सिंह राजपूत ने प्रस्तुत किया।

समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम की छात्रा सुश्री ललिता गुप्ता (बी.ए. तृतीय वर्ष) निष्ठा मिश्रा (एम.ए. प्रथम), शशिबला पटेल (बी.एड्. प्रथम), अंशिका सिंह (बी.एड्. प्रथम) ने सरस्वती वन्दना, बोध गीत (निर्माणों के पावन युग में.....) एवं कुलगीत (यह महाराणा प्रतापाख्यावती शिक्षा परिषद ज्ञान की मंदाकिनी) आदि गीत प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का समापन छात्राओं द्वारा गाए राष्ट्रगीत से हुआ।

भारत–नेपाल सम्बन्ध एवं महन्त दिग्विजयनाथ विषय पर आयोजित संगोष्ठी

14 अक्टूबर को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज का 125 वी जयन्ती वर्ष एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के जन्म शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत 'भारत–नेपाल संबंध एवं महन्त दिग्विजयनाथ' विषय पर महाविद्यालय में आयोजन किया गया। इस

अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के राजनीतिशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. तेजप्रताप सिंह तथा मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालयप, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित इतिहासविद् प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने अपना विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक विभाग की छात्रा अर्पिता त्रिपाठी, हर्षा गुप्ता, हिमानी मिश्रा द्वारा कुलगीत प्रस्तुत किया गया एवं एकल बोध ा गीत (निर्माणों के पावन युग में) ज्योति सिंह राजपूत द्वारा प्रस्तुत किया गया।

अमर उजाला | amarujala.com | गोरखपुर | मंगलवार, 15 अक्तूबर 201

युवा Youth

गुरु गोरखनाथ के आशीर्वाद से हुई नेपाल की स्थापना

एमपीपीजी कॉलेज में हुई गोष्ठी में प्रो तेज प्रताप सिंह ने रखे विचार

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। बीएचयू के प्रोफेसर तेज प्रताप सिंह ने कहा कि भारत और नेपाल संप्रभु राष्ट्र होने के साथ भू-सांस्कृतिक दृष्टि से एक ही राष्ट्र हैं। नेपाल के संबंध में गोरखा शब्द की भावना गोरक्षपीठ एवं गुरु गोरखनाथ से निकटता से जुड़ा है। नेपाल की स्थापना ही गुरु गोरखनाथ के आशीर्वाद से पृथ्वीनारायण शाह ने की थी। नेपाल के रग-रग में नाथपंथ है। दोनों देशों का संबंध रोटी और बेटी का है, जो उसकी महत्ता स्वतः ही स्पष्ट कर देती है।

एमपीपीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारत-नेपाल संबंध एवं महंत दिग्विजयनाथ' विषयक संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे प्रो तेज प्रताप ने कहा कि भारत ने समय-समय पर नेपाल में फैली राजनीतिक अस्थिरता को दूर करने का प्रयास किया है। इस दौरान मुख्य अतिथि गोविवि के प्रो हिमांशु चतुर्वेदी ने कहा कि भारत-नेपाल घनिष्ठता को महत्वपूर्ण मानते हुए महंत दिग्विजयनाथ ने अतुलनीय भूमिका निभाई। नेपाल के जन-जन में गोरक्षपीठ के प्रति श्रद्धा का भाव आज भी है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ प्रदीप राव ने कहा कि भारत-नेपाल की आध्यात्मिक, राजनीतिक एवं भू-सांस्कृतिक संबंध को गोरक्षपीठ से अलग करके नहीं समझा जा सकता है। गुरु गोरक्षनाथ की तपोस्थली गोरखपुर अवश्य थी लेकिन उनकी कर्मभूमि वास्तव में नेपाल ही थी। नेपाल में गोरक्षपीठ की महत्ता का अनुमान इस बात से भी लगाया जा सकता है कि वहां राजशाही समाप्त होने के बाद भी नेपाली मुद्रा पर गुरु श्रीगोरक्षनाथ से संबंधित प्रतीक चिह्न आज भी अंकित हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'भारत-नेपाल संबंध एवं महंत दिग्विजयनाथ' विषय पर गोष्ठी का हुआ आयोजन

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने विचार रखे। अमर उजाला

निबन्ध प्रतियोगिता

31 अक्टूबर को सरदार बल्लभ भाई पटेल के जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता विषय पर सांस्कृतिक विभाग द्वारा निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के 40

छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के रूप में बी.एड्. विभाग प्रवक्ता डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती विभा सिंह, सुश्री रचना सिंह ने श्री माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड्. प्रथम वर्ष), को प्रथम, श्री अविनाश कुमार शर्मा (बी.एड्. द्वितीय वर्ष) को द्वितीय एवं सुश्री हर्षा गुप्ता (बी.एड्. प्रथम वर्ष) को तृतीय स्थान पर घोषित किया।

6 दैनिक जागरण गोरखपुर, 1 नवंबर 2019

निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

गोरखपुर : महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में बीएड विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय एकता' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बीएड प्रथम वर्ष व बीएड द्वितीय वर्ष के 40 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में क्रमश : प्रथम स्थान पर बीएड प्रथम वर्ष के छात्र माधवेंद्र त्रिपाठी, बीएड द्वितीय वर्ष के अविनाश शर्मा द्वितीय एवं बीएड प्रथम वर्ष की हर्षा गुप्ता तृतीय रहीं। संयोजन दीप्ती गुप्ता एवं डा.अनुभा श्रीवास्तव ने किया। (जासं.)

शैक्षिक प्रदर्शनी

07 नवम्बर को महाविद्यालय में सांस्कृतिक विभाग तथा बी.एड्. विभाग द्वारा शुभोत्सव–2019 कार्यक्रम के अन्तर्गत कलात्मक एवं रचनात्मक शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी

का उद्घाटन प्रो. सुषमा पाण्डेय (शिक्षाशास्त्र विभाग) दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में बी.एड्. प्रथम वर्ष के छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं ने अपनी

रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए ''समाज के ज्वलंतशील मुद्दो (कन्या भ्रूण हत्या, बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओ, अम्लीय वर्षा चन्द्रयान–2 प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण बालश्रम हस्तकला सम्बन्धित सामग्री, वर्षा जल संरक्षण आदि विषय पर बने चार्ट मॉडल एवं पोस्टर आदि प्रस्तुत किये गये।

गोरखपुर | शुक्रवार, 8 नवंबर 2019 8

शैक्षिक प्रदर्शनी : मॉडल में दिखी समाज की समस्याएं

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में बीएड विभाग की ओर से शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बीएड प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने समसामायिक मुद्दों से संबंधित मॉडल, चार्ट एवं क्राफ्ट से संबंधित वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया। उद्घाटन की मुख्य अतिथि प्रो. सुषमा पांडेय ने किया। पर्यावरण संरक्षण, अम्लीय वर्षा, चंद्रयान-2, ओजोनपरत क्षरण, प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण, वायु प्रदूषण, यातायात नियम, सर्वशिक्षा अभियान, जलवायु परिवर्तन, बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, आदि विषयों पर बने चार्ट एवं मॉडल विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रहे।

4 दैनिक जागरण गोरखपुर, 8 नवंबर 2019

छात्राध्यापकों के मॉडल रहे आकर्षण का केंद्र

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में गुरुवार को बीएड विभाग के तत्वावधान में शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में छात्राध्यापकों द्वारा प्रदर्शित माडल आकर्षण का केंद्र रहे।

प्रदर्शनी का उद्घाटन दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रो. सुषमा पांडेय व डा.प्रदीप कुमार राव प्राचार्य महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ ने किया। प्रदर्शनी में बीएड प्रथम वर्ष के छात्राध्यापकों द्वारा समसामायिक मुद्दों से संबंधित माडल, चार्ट एवं क्राफ्ट से संबंधित वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में पर्यावरण संरक्षण, अम्लीय वर्षा, चंद्रयान-2, ओजोनपरत क्षरण, प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण, वायु प्रदूषण, यातायात नियम सर्वशिक्षा अभियान, जलवायु परिवर्तन, बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, बाल श्रम आदि विषयों पर बने चार्ट एवं मॉडल विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रहे।

इस दौरान प्रो.पांडेय ने शैक्षिक प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान विद्यार्थियों से बातचीत की और उनके द्वारा प्रदर्शित चार्ट और मॉडलों के संदर्भ में प्रश्न भी किए एवं उससे संबंधित अन्य जानकारियां भी दीं।

शैक्षिक प्रदर्शनी का संयोजन दीप्ति गुप्ता, सह संयोजन विभा सिंह ने किया। प्रदर्शनी में महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं बीएड प्रथम वर्ष के 67 छात्राध्यापक मौजूद रहे।

शैक्षिक प्रदर्शनी का अवलोकन महाराणा प्रताप बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्य सुश्री कृष्णा चटर्जी द्वारा भी किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने छात्राध्यापकों से शैक्षिक प्रदर्शनी के उद्देश्य एवं इसके समाज राष्ट्र की उपयोगिता के संदर्भ में प्रश्न पूछा। छात्राध्यापकों ने प्रदर्शनी के उद्देश्य एवं सिद्धान्तों को बड़ी कुशलता पूर्वक समझाया। महाविद्यालय के शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी की सराहना की।

वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिता

18 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत सांस्कृतिक विभाग के तत्वावधान में गायन प्रतियोगिता एवं मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। **गायन प्रतियोगिता** में 38 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान चन्दन तिवारी (बी.ए. भाग–एक), द्वितीय स्थान

अर्पिता त्रिपाठी (बी. ए. भाग–एक) तथा तृतीय स्थान शशिबाला पटेल (बी.एड्. प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता, डॉ.राहुल मिश्रा तथा बी.एड्. विभाग प्रवक्ता श्रीमती विभा सिंह रहीं।

...व्याख्यान में अभिषेक व गायन में चंदन अव्वल

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

आयोजन

- महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में संस्थापक समारोह के तहत हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं
- तीन तलाक विषय पर हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में वार्षिक महोत्सव के तहत संस्थापक सप्ताह समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। शिक्षाशास्त्र विभाग की ओर व्याख्यान प्रतियोगिता में अभिषेक सिंह प्रथम, मुस्कान सिंह द्वितीय तथा सपना मिश्रा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। संचालन साधना सिंह ने किया। वहीं निर्णायक मण्डल में बीएड विभाग की विभागाध्यक्ष मित्रा सिंह, रचना सिंह तथा नवनीत सिंह रहे।

आयोजन के तहत गायन एवं मेंहदी प्रतियोगिता भी हुई। गायन में चन्दन तिवारी प्रथम, अर्पिता त्रिपाठी द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर शशिबाला पटेल रहीं। मेंहदी प्रतियोगिता में पूजा सिंह प्रथम, अंबिका शर्मा द्वितीय एवं राखी रानी को तृतीय स्थान मिला। इस अवसर पर भूगोल विभाग द्वारा बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों पर दबाव और पर्यावरण विषय पर कार्यशाला हुई। बापू पीजी कालेज पीपीगंज के भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार ने व्याख्यान दिया। 'तीन तलाक से अभिशप्त नारी मोदी-युग में मुक्त' विषय पर हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें सभी संकाय के कुल 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में सत्य प्रकाश तिवारी प्रथम, प्रकाश पाण्डेय द्वितीय एवं माधवेन्द्र पति त्रिपाठी तृतीय स्थान पर रहे। सांत्वना स्थान पर कुंवर शिवम सिंह एवं मोहसिन खान रहे। निर्णायक मण्डल में डॉ. आरती सिंह, डॉ. सुधा शुक्ला तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव रहीं।

डीवीएनपीजी कालेज में सोमवार को कला संकाय द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत प्रस्तुत करती छात्रा।

समरसता का मूल आधार है भारतीय संविधानः कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 'सामाजिक समरसता एवं संविधान' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में प्राणी विज्ञान विभाग के प्रवक्ता विनय कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान सामाजिक समरसता का मूल आधार है। कार्यशाला में डॉ. सौरभ कुमार सिंह, विजय कुमार, सिद्धार्थ शुक्ला ने भी अपने विचार रखे। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रकाश पाण्डेय, द्वितीय स्थान सर्वेश्वर कान्त चन्द्र तथा तृतीय स्थान संयुक्त रूप से दीपचन्द्र एवं रितेश सिंह को प्राप्त हुआ।

एलिजाबेथ काल अंग्रेजी साहित्य का स्वर्ण युगः एलिजाबेथ का युग अंग्रेजी साहित्य का स्वर्णयुग कहा जाता है। शेक्सपियर संसार उस युग की सबसे बड़ी साहित्यिक देन है। महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ के अंग्रेजी विभाग में अतिथि व्याख्यान देते हुए यह बातें सेंडिका के डॉ. अनुग्रह तिवारी ने कहीं। संचालन सर्वेश्वर कांत ने किया।

मेंहदी प्रतियोगिता में कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पूजा सिंह (बी.एड्. प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान अम्बिका शर्मा (बी.एड्. प्रथम वर्ष) तथा तृतीय

स्थान राखी रानी (बी.एड्. प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में वाणिज्य विभाग प्रवक्ता सुश्री श्वेता चौबे, श्रीमती नुपूर शर्मा तथा गृह विज्ञान प्रवक्ता सुश्री अपूर्वा त्रिपाठी रहीं। दोनो प्रतियोगिताओं का संयोजन सांस्कृतिक विभाग प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया।

गोरखवाणी प्रतियोगिता

19 नवम्बर को महाविद्यालय में आयोजित गोरखवाणी प्रतियोगिता में कुल 20 विद्यार्थियों ने गोरखवाणी सबदी का भावार्थ सहित वाचन किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्वेता गौड़ (बी.ए.

भाग–एक), द्वितीय स्थान प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग–दो), तृतीय स्थान संयुक्त रूप से अर्पिता त्रिपाठी (बी.ए. भाग–एक) एवं चन्दन तिवारी (बी.ए. भाग–दो) और सांत्वना पुरस्कार ज्योत्सना डेविड (बी.ए. भाग–एक) को दिया गया। कार्यक्रम का संचालन और संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया। निर्णायक मण्डल में श्री नवनीत कुमार सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा श्रीमती विभा सिंह रहीं।

प्रतियोगिता में गोरखबानी का वाचन, 20 ने किया प्रतिभाग

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में मंगलवार को वार्षिक महोत्सव के तत्वावधान में गोरखबानी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न प्रतिभागियों ने गोरखबानी की सबदियों का भावार्थ सहित वाचन किया। गोरखबानी शिवगोरक्ष योगेश्वर गोरखनाथजी के सदुपदेश हैं। प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्वेता गौड़ बीएड प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान प्रकाश पांडेय बीए द्वितीय वर्ष तथा तृतीय स्थान अर्पिता त्रिपाठी बीए प्रथम वर्ष एवं चंदन तिवारी बीए द्वितीय वर्ष को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन व संयोजन दीप्ति गुप्ता ने किया। नवनीत कुमार सिंह, अनुभा श्रीवास्तव व श्रीमती विभा सिंह ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई।

एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ में हुआ आयोजन, 30 प्रतिभागियों ने रखी आशुभाषण प्रतियोगिता में अपनी बात

इसी क्रम में आशुभाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में समसमायिक मुद्दों पर 30 प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी। आशुभाषण में प्रथम स्थान सत्य प्रकाश तिवारी बीए द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान सर्वेश्वरकांत चंद्रा बीए द्वितीय वर्ष तथा तृतीय स्थान प्रकाश पांडेय बीए द्वितीय वर्ष को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ.कृष्ण कुमार ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ.प्रज्ञेश कुमार मिश्र, सुबोध कुमार मिश्र एवं संजय जायसवाल शामिल रहे।

आशुभाषण प्रतियोगिता

आशुभाषण प्रतियोगिता में कुल 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान सत्य प्रकाश तिवारी (बी. ए. भाग–दो), द्वितीय स्थान सर्वेश्वर कांत चन्द्रा (बी.ए. भाग–दो) तथा तृतीय

स्थान प्रकाश पाण्डेय (बी. ए. भाग–दो) को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में डॉ. प्रज्ञेश कुमा मिश्र, श्री सुबोध कुमार मिश्र एवं श्री संजय जायसवाल रहे।

हिन्दुस्तान गोरखपुर • बुधवार • 20 नवंबर 2019 • 04

आशुभाषण प्रतियोगिता में सत्य प्रकाश अव्वल रहे

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर कॉलेज जंगल धूसड़ में वार्षिक महोत्सव के तहत मंगलवार को गोरखबानी व आशुभाषण प्रतियोगिता हुई, जिसमें गोरखबानी में श्वेता गौड़ व आशुभाषण में सत्य प्रकाश तिवारी अव्वल रहे।

गोरखबानी में विभिन्न प्रतिभागियों ने गोरखबानी की सबदियों का भावार्थ सहित वाचन किया। गोरखबानी में 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में श्वेता गौड़ प्रथम, प्रकाश पाण्डेय द्वितीय तथा अर्पिता त्रिपाठी व चन्दन तिवारी संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। सांत्वना पुरस्कार के लिए ज्योत्सना डेविड को चयनित किया गया। कार्यक्रम का संचालन और संयोजन दीप्ति गुप्ता ने किया। नवनीत कुमार सिंह, अनुभा श्रीवास्तव तथा विभा सिंह निर्णायक मण्डल की भूमिका में रहे।

वार्षिक महोत्सव

- एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में वार्षिक महोत्सव का आयोजन
- गोरखबानी प्रतियोगिता में श्वेता गौड़ रहीं विजेता

आशुभाषण प्रतियोगिता में समसमायिक मुद्दों पर 30 प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सत्य प्रकाश तिवारी, द्वितीय स्थान सर्वेश्वर कांत चन्द्रा तथा तृतीय स्थान प्रकाश पाण्डेय को प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. कृष्ण कुमार ने किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, सुबोध कुमार मिश्र एवं संजय जायसवाल शामिल रहे।

उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता

20 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 28 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रथम स्थान प्रकाश पाण्डेय (बी.ए. भाग–दो), द्वितीय स्थान माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड्. प्रथम वर्ष) एवं तृतीय

स्थान माधुरी उपाध्याय (बी.एस–सी. भाग–तीन) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया तथा निर्णायक मण्डल में डॉ. आरती सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद और डॉ. राजेश शुक्ला रहे।

हिन्दुस्तान गोरखपुर • गुरुवार • 21 नवंबर 2019 • 04

भाषण में प्रिया व काव्य प्रस्तुति में प्रकाश अव्वल

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत बुधवार को काव्य पाठ, प्रश्नोत्तरी व भाषण प्रतियोगिताएं हुई। काव्य प्रस्तुति में प्रकाश पांडेय, प्रश्नोत्तरी में सर्वेश्वर कांत की टीम तथा भाषण में प्रिया दूबे प्रथम स्थान पर रहीं।

अंग्रेजी विभाग द्वारा 'हिस्ट्री वाज रिरिटन बाई मोदी गर्वनमेंट आफ्टर रेसिसन ऑफ 370, 35 ए इन जम्मू एण्ड कश्मीर' विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में कुल 38 छात्रों ने प्रतिभाग किया। इसमें प्रथम स्थान प्रिया दूबे, द्वितीय संदीप कुमार तिवारी व तृतीय स्थान सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार कौशकी और वैभव को मिला। उदीयमान कवि गोष्ठी में 26 छात्रों ने हिस्सा लिया। कविताओं के केन्द्र बिन्दु में विभिन्न सामाजिक बुराईयों जैसे भ्रूण हत्या, बाल मजदूरी, प्रदूषण आदि विषय रहे। पुलमावा शहीदों को श्रद्धांजलि और गांधी दर्शन को उजागर करती हुई कविताओं का पाठ हुआ। उदीयमान कवि गोष्ठी में प्रकाश पाण्डेय प्रथम, माधवेन्द्र पति त्रिपाठी को द्वितीय एवं माधुरी को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। संचालन दीप्ती गुप्ता ने किया।

फूड विदाउट फायर प्रतियोगिता

21 नवम्बर को फूड विदाउट फायर प्रतियोगिता में 12 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों को दो–दो टीमों में बांटा गया जिसमें प्रथम स्थान निष्ठा और राबिया (एम. ए. प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान शशि बाला और श्वेता (बी.एड. प्रथम वर्ष) तथा तृतीय स्थान तुलसी, रितिमा और सीमा और साधना (बी.

एड. द्वितीय वर्ष) को संयुक्त रूप से प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में श्रीमती पुष्पा निषाद तथा श्रीमती साधना सिंह रही।

प्रतियोगिताओं में प्रशांत निष्ठा व राबिया अव्वल

गोरखपुर | निज संवाददाता

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत गुरुवार को कंप्यूटर प्रश्न मंच, फूड विदाउट फायर व हस्तकला प्रतियोगिताओं का आयोजन हुए। इसमें प्रशांत राय, निष्ठा व राबिया प्रथम पर रहीं।

कंप्यूटर विभागाध्यक्ष वीरेन्द्र तिवारी की देख रेख में आयोजित कंप्यूटर प्रश्न मंच में 39 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ स्थान पर ... सुमंत व सत्यम सिंह रहे। फूड विदाउट फायर में कुल 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन्हें दो-दो की टीमों में बांटा गया। इसमें निष्ठा और रबिया की टीम को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। द्वितीय स्थान शशिबाला और श्वेता को मिला।

हस्त कला में प्रतिभागियों ने हाथ से बने हुए वॉल हैंगिग, पेन पॉट (कलमदान) तथा आइसक्रीम स्टिक से बने मॉडलों का प्रदर्शन किया। प्रथम स्थान राबिया, दूसरा निष्ठा और तीसरा स्थान सीमा को प्राप्त हुआ। संयोजन दीप्ति गुप्ता ने किया। रचना सिंह व डॉ. ...

हस्तकला प्रतियोगिता

21 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत हस्तकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के अन्तर्गत हाथ से बने हुए वॉल हैंगिग, पेन पॉट आइसक्रीम स्टीक से बने मॉडलों का प्रदर्शन

प्रतिभागियों द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राबिया (बी. ए. प्रथम) द्वितीय स्थान निष्ठा (एम. ए. प्रथम वर्ष) और तृतीय स्थान सीमा (बी.एड. द्वितीय वर्ष) को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में श्रीमती कविता मध्यान, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा सुश्री रचना सिंह रही।

गाँधी भजन कार्यक्रम

23 नवम्बर को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी 150वीं जयन्ती वर्ष के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक विभाग के तत्वावधान एवं मार्ग दर्शन में बी.एड्. के छात्राध्यापक एवं

छात्राध्यापिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गाँधी जी के प्रतिमा पुष्पाजंलि अर्पित करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का प्रिय भजन ''रघुपति राघव राजा राम''

तथा गुजराती भजन 'वैष्णव जन तो तेणे कहिए' इत्यादि भजन प्रस्तुत किया गया। बी.एड. प्रथम वर्ष के छात्राध्यापक माधवेन्द्र पति त्रिपाठी ने 'गाँधी जी की शैक्षिक विचार धारा'' पर अपने विचार भी प्रस्तुत

किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ तथा शिक्षक उपस्थित रहे। गाँधी भजन कार्यक्रम का संयोजन सांस्कृतिक विभाग प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

महात्मा गांधी के प्रिय भजन का गायन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में बीएड विभाग द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रिय भजन 'रघुपति राघव राजाराम' का गायन हुआ। इस अवसर पर गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि की गई। गांधी के प्रिय भजनों के साथ राष्ट्रीय गीतों का भी कार्यक्रम किया गया। बीएड प्रथम वर्ष के छात्राध्यापक माधवेन्द्र पति त्रिपाठी ने 'गांधी जी की शैक्षिक विचारधारा' पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

संस्थापक सप्ताह उद्घाटन समारोह

4 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के उद्घाटन अवसर पर निकाली जाने वाली शोभा–यात्रा में विविध महत्वपूर्ण विषयों पर यथा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नारी सम्मान, राष्ट्रीयता एवं भारत के स्वाभिमान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के बलिदानों को उकेरने वाली महत्वपूर्ण झांकियाँ एवं प्रस्तुतियाँ छात्र–छात्राओं द्वारा शहरीवासियों का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर रही थीं।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की छात्राएँ श्वेता गौड़, ललिता गुप्ता, अर्पिता त्रिपाठी, शशिबाला पटेल, अंशिका सिंह, पूजा सिंह ने मिलकर (बोध गीत एक नया इतिहास रचे हम............), (रक्त शिराओं में राणा.........), कुलगीत (महाराणाप्रताप प्रख्यावती शिक्षा परिषद ज्ञान....), (निर्माणों के पावन युग में...) आदि गीत प्रस्तुत किया। छात्राओं की प्रस्तुति सराहनीय एवं प्रशंसनीय रहीं।

संस्थापक सप्ताह समापन समारोह

10 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के अन्तर्गत पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में पिछली कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

समापन समारोह में महाविद्यालय की छात्रा सुश्री ज्योत्सना डेविड, सुश्री पूजा सिंह, सुश्री दीपा तथा सुश्री राबिया सरमानी द्वारा सरस्वती वन्दना, कुल गीत एवं राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया गया।

ललित कला महोत्सव

16 दिसम्बर को नेशनल एजूकेशन सोसाइटी, गोरखपुर द्वारा आयोजित ललित कला महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें वाद–विवाद, एकल गायन, एकल नृत्य, रंगोली, स्वरचित काव्य पाठ आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया और प्रतियोगिता में जीत हासिल की। प्रतियोगिताओं में सम्मिलित विद्यार्थियों की तैयारी सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता के उचित मागदर्शन में हुई। विजयी प्रतिभागियों को साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष आचार्य विश्वनाथ प्रसाद तिवारी से पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रतियोगिताओं के विजयी छात्र–छात्राएं

नाम	कक्षा	प्रतियोगिता	स्थान
माधवेन्द्र पति त्रिपाठी	बी. एड. प्रथम	स्वरचित काव्यपाठ	प्रथम
प्रकाश पाण्डेय	बी. ए. द्वितीय	वाद–विवाद / विपक्ष	सांत्वना
अंकित पाण्डेय	बी. ए. तृतीय	वाद–विवाद / पक्ष	द्वितीय
माधुरी उपाध्याय	बी.एस–सी. द्वितीय	वाद–विवाद / विपक्ष	द्वितीय
प्रिया दूबे	बी. एस–सी. द्वितीय	वाद–विवाद / पक्ष	प्रथम
चन्दन तिवारी	बी. ए. द्वितीय	एकल गायन	तृतीय
बलिराम रौनियार	बी. ए. द्वितीय	एकल गायन	सान्त्वना
बद्रीश नारायण	बी. काम. द्वितीय	एकल नृत्य	सान्त्वना
अर्पिता त्रिपाठी	बी. ए. प्रथम	एकल गायन	सान्त्वना
राहुल गिरि	एम. ए. प्रथम	भाषण	सान्त्वना

03–04 जनवरी 2020
दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

महाविद्यालय में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रयोजित नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र तथा प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित, ''भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार'' विषयक दो

दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 03 जनवरी को हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्व बुद्धिष्ट मिशन, जापान के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मेधाशंकर रवि उपस्थित रहे। अखिल भारतीय इतिहास

संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय बतौर मुख्य वक्ता एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शीतला प्रसाद सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह मे ललिता, श्वेता, अर्पिता ने प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय के अध्यक्ष एवं वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के सदस्य सचिव, डॉ. कुमार रत्नम तथा मुख्य वक्ता के रूप

में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय उपस्थित रहे। संगोष्ठी का समापन राष्ट्रगीत के साथ हुआ।

पेंटिग प्रतियोगिता

11 जनवरी को सांस्कृतिक विभाग द्वारा पेंटिग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एड्. विभाग के 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रथम स्थान कुमारी पूजा सिंह (बी.एड्.प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान अमित यादव (बी.एड्. प्रथम वर्ष) एवं तृतीय स्थान प्रदीप शुक्ल (बी.एड्.

प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल में गृह विज्ञान प्रवक्ता सुश्री सुनिधि गुप्ता तथा रसायन विज्ञान विभाग प्रवक्ता श्री संजय जायसवाल, वाणिज्य विभाग प्रवक्ता श्री सुभाष कुमार गुप्ता विजेता प्रतिभागियों को निर्णायक द्वारा प्रमाण–पत्र वितरित कर उत्साहवर्धन किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह के साथ भारत–भारती पखवारा का समापन

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान तथा वन्देमातरम् के उपरान्त भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अन्त में प्राचार्य ने वर्ष भर की महाविद्यालय की गतिविधियों एवं प्रयासों को शहीदों के चरणो में समर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस भव्य समारोह के साथ 12 जनवरी से प्रारम्भ भारत–भारती

पखवारा का हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नल (सेवानिवृत्त) बी.पी. शाही एवं विशिष्ट अतिथि योगवाणी के सम्पादक डॉ. फूलचन्द गुप्ता ने मार्गदर्शक उद्‌बोधन दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वन्दना से हुयी तत्पश्चात् विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, नाटक, भाषण एवं कविता प्रस्तुत की। छात्राओ द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य तथा बी.एड छात्रो द्वारा प्रस्तुत नाटक खूब सराहा गया। कार्यक्रम का समापन वन्दे मातरम् के साथ सम्पन्न हुआ। सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम, सांस्कृतिक विभाग प्रभारी दीप्ती गुप्ता के नेतृत्व में सम्पन्न हुए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थी

संचालन–	श्री माधवेन्द्र पति त्रिपाठी (बी.एड प्रथम वर्ष)
	सुश्री माधुरी उपाध्याय (बी.एस–सी. अन्तिम वर्ष)
मुख्य अतिथि–	डॉ. बी. पी. शाही (कर्नल सेवानिवृत्त)
अध्यक्ष –	डॉ. प्रदीप कुमार राव (प्राचार्य)

नाम / कक्षा	कार्यक्रम
♦ सुश्री वान्या जायसवाल (बी.एड्. प्रथम वर्ष)	गणेश वन्दना
♦ सुश्री हर्षा गुप्ता (बी.एड्. प्रथम वर्ष)	काव्यपाठ
♦ सुश्री इशिका, (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष)	एकलगीत– ऐ मेरे वतन के लोगों....
..♦ श्री परशुराम, श्री श्रवण, श्री विकास, (बी.ए. प्रथम वर्ष)	समूह नृत्य
♦ श्री प्रदीप, श्री प्रतीक, श्री दिव्यम, सुश्री हर्षा, .(बी.एड्. प्रथम वर्ष)	नाटक स्वच्छता
♦ पुस्तकालय मंत्री सुश्री ममता प्रजापति	उद्‌बोधन
♦ सुश्री हिमानी मिश्रा, (बी.एड्. द्वितीय वर्ष)	देशभक्ति काव्य पाठ
♦ श्री राहुल भट्‌टाचार्य (बी.ए. द्वितीय वर्ष)	एकल देशभक्ति नृत्य
♦ श्री कुवर अमन (बी.एस–सी. प्रथम वर्ष)	काव्यपाठ
♦ सुश्री अर्पिता, सुश्री ज्योत्सना, सुश्री श्वेता, सुश्री पूजा, सुश्री अनिता	समूह देशभक्ति गीत
♦ महामंत्री श्री प्रकाश पाण्डेय	उद्‌बोधन
♦ छात्रसंघ अध्यक्ष श्री विजय कुमार	उद्‌बोधन
♦ श्री अमन (बी.ए. द्वितीय वर्ष)	एकल देशभक्ति नृत्य
♦ श्री बलराम (बी.ए. तृतीय वर्ष)	एकल देशभक्ति गीत
♦ श्री दुर्गेश (बी.ए. प्रथम वर्ष)	देशभक्ति हास्य कविता
♦ सुश्री ज्योत्सना, सुश्री अर्चना, सुश्री प्रतिभा (बी.ए. प्रथम वर्ष)	राजस्थानी समूह नृत्य
♦ पुलवामा हमला (बी.एड्. द्वितीय वर्ष)	नाटक – पुलवामा हमला
♦ सुश्री अर्पिता, सुश्री ज्योत्सना, सुश्री श्वेता, सुश्री पूजा, सुश्री अनिता	देशभक्ति समूह गीत
♦ सुश्री श्वेता गौड़, (बी.एड्. प्रथम वर्ष	एकल देशभक्ति नृत्य
♦ मुख्य अतिथि डॉ. बी.पी. शाही	उद्‌बोधन
♦ छात्रसंघ अधिकारी श्री नन्दन शर्मा	उद्‌बोधन
♦ विशिष्ट अतिथि डॉ. फूलचन्द गुप्ता	उद्‌बोधन
♦ अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार राव	उद्‌बोधन

सांस्कृतिक विभाग 2019–2020

(महात्मा गाँधी की 150 वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत पुण्यतिथि के अवसर पर कार्यक्रम)

30 जनवरी 2020 को महाविद्यालय में महात्मा गाँधी की 150 वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की

उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू चौधरी ने कहा कि भारतीय इतिहास में महात्मा गाँधी प्रेरणा पुरुष के रूप में जाने जाते है। उनके चिंतन एवं कर्म में अत्यधिक साम्य था। महात्मा गाँधी एक महान आदर्शवादी धर्मनिष्ठ,

सच्चे देशभक्त, स्वतन्त्रता सेनानी , विचारक कर्मठ राजनेता, समाज सुधारक और शिक्षा विचारक थे। गाँधी जी ने अपने जीवन में स्वच्छता के महत्व को तवज्जों दी थी। स्वच्छ भारत श्रेष्ठ भारत के माध्यम से आज सम्पूर्ण भारत उनका ऋणी है। इसलिए भारत के प्रत्येक युवा, विशेष रूप से विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण के लिए गाँधी जी का विचार दर्शन मूल मंत्र है।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि श्रीमती अंजू चौधरी द्वारा महात्मा गाँधी के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। गाँधी जी का प्रिय भजन ''रघुपति राघव राजा राम'' सांस्कृतिक विभाग की छात्रा श्वेता गौड़, अंशिका, पूजा सिंह, हर्षा गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया। आज ही के दिन बसंत पंचमी सरस्वती पूजन भी सम्पन्न हुआ।

बी.एड्. विभाग में एकदिवसीय कार्यशाला में कार्यक्रम आयोजित

31 जनवरी 2020 को बी.एड्. विभाग में 'शिक्षक प्रशिक्षण में कला की भूमिका' विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता कामता प्रसाद सुन्दरलाल

साकेत पी.जी. कालेज, अयोध्या की बी.एड. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कुमुद सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. कुमुद सिंह जी ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि कला व्यक्तित्व का परिष्कार करती है, व्यक्ति की योग्यता और भावनात्मक विकास में सहायक होती है। कला एक जागरूक संवेदनशील समाज के विकास में योगदान देती है। कला अनुभव में विद्यार्थियों को विभिन्न कलाओं, चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाटक के अनुभव से गुजारते हुए विभिन्न कलाओं से उनका परिचय कराया जाता है। जिससे विद्यार्थी को सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में शरीर, मन और मस्तिष्क तीनों की भागीदारी हो। सांस्कृतिक विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। छात्राओं ने अपनी सभ्यता एवं संस्कृति का परिचय कराते हुए सामाजिक, गीत, क्षेत्रीय लोकगीत प्रस्तुत किया।

हिन्दुस्तान गोरखपुर • शनिवार • 01 फरवरी 2020 • 04

शिक्षक-प्रशिक्षण में कला की भूमिका पर कार्यशाला

कॉलेज के बीएड विभाग में 'शिक्षक प्रशिक्षण में कला की भूमिका' विषय पर कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि साकेत विवि अयोध्या की डॉ. कुमुद सिंह ने कहा कि कला व्यक्तित्व का परिष्कार करती है। कला व्यक्ति की योग्यता और भावनात्मक विकास में सहायक होती है। कला एक जागरूक, संवेदनशील समाज के विकास में योगदान देती है। कला अनुभव में विद्यार्थियों को विभिन्न कलाओं, चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाटक के अनुभव से गुजारते हुए विभिन्न क्रियाओं से उनका परिचय कराया जाता है, जिससे विद्यार्थी की सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में शरीर, मन और मस्तिष्क तीनों की भागीदारी

समावर्तन संस्कार समारोह

23 फरवरी को महाविद्यालय के तेरहवें बैच स्नातक एवं नौवा बैच परास्नातक एवं बी.एड्. की चौथा बैच का समावर्तन संस्कार समारोह आयोजित किया गया। शिक्षा हमें जीवन के आगामी

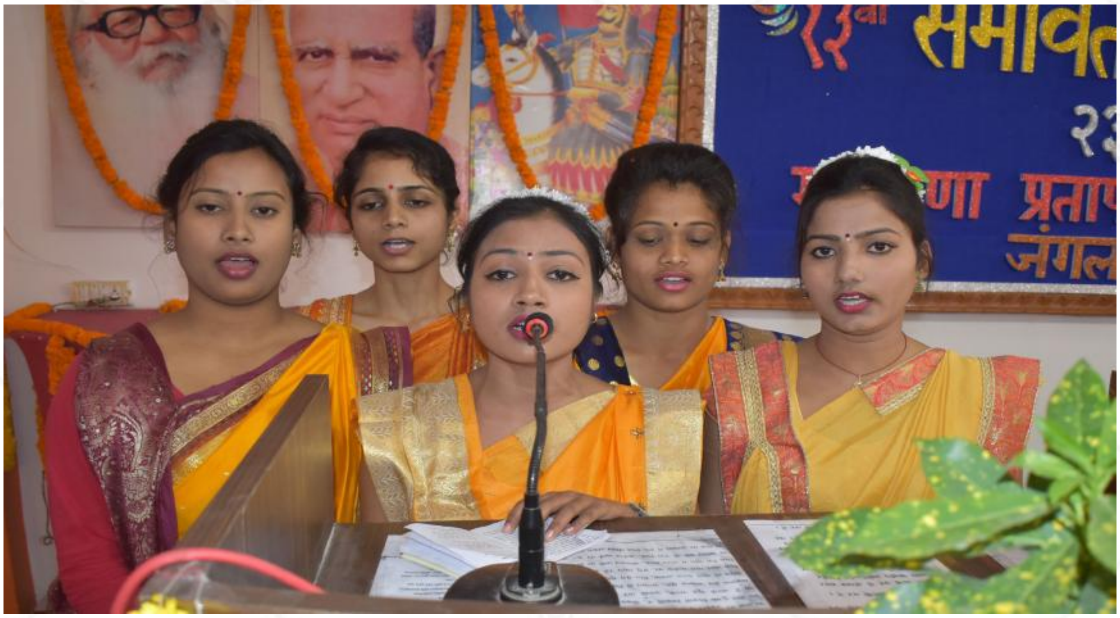

चुनौतियों के लिए तैयार करती है। कष्ट तथा संघर्ष के तप से ही प्रतिभा विकसित होती है। व्यक्तित्ववाद से ऊपर उठकर हमें समाजवादी एवं लोकतान्त्रिक मूल्यों को जीवन में उतारना होगा।

उक्त बाते समावर्तन संस्कार की बतौर मुख्य अतिथि स्वामी विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी की उपाध्यक्ष पद्मश्री निवेदिता भिड़े जी ने कही। समारोह में विशिष्ट अतिथि गोरखपुर विश्वविद्यालय के

कुलपति प्रो. वी. के सिंह रहे। प्रस्ताविकी अतिथियों का स्वागत एवं आभार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

महाविद्यालय के सांस्कृतिक विभाग की छात्रा ललिता गुप्ता, अम्बिका शर्मा, ज्योत्स्ना डेविड, पूजा शर्मा, आंशिका ने सरस्वती वन्दना कुलगीत एवं बोध गीत (एक नया इतिहास रचे हम.....) और एकल बौद्ध गीत (निर्माणों के पावन युग में...) सुश्री ज्योति सिंह राजपूत द्वारा प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय युवा कान्फ्रेंस एवं अन्तर्विश्वविद्यालय राष्ट्रीय वाद–विवाद प्रतियोगिता

राष्ट्रीय युवा कान्फ्रेंस एवं अन्तर्विश्वविद्यालय राष्ट्रीय वाद–विवाद प्रतियोगिता 20 से 23 फरवरी 2020 तक गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर उत्तराखण्ड में आयोजित की गई। गोरखपुर विश्वविद्यालय के 10 सदस्यीय टीम ने इस युवा कान्फ्रेंस में प्रतिभाग किया। युवा

कान्फ्रेंस एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता में महाविद्यालय की बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रिया दूबे एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थी करिश्मा वारसी, आलोक मिश्रा एवं दीपक दूबे ने ''क्या वर्तमान की भारतीय शिक्षा पद्धति रोजगार परक कौशल युक्त शिक्षा देने में सक्षम है'' विषय पर पक्ष एवं विपक्ष में बोलते हुए सान्त्वना पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया। विद्यार्थियों की तैयारी सांस्कृतिक विभाग प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता के उचित मार्गदर्शन में किया गया।

G.B. PANT UNIVERSITY OF AGRICULTURE & TECHNOLOGY, PANTNAGAR

NATIONAL INTER-UNIVERSITY DEBATE COMPETITION

The Present Education System of the Country is Fully Capable of Generating Employability Skills Among the Youth

Certificate of Participation

This is to certify that Mr./Ms. PRIYA DUBEY of DEEN DAYAL UPADHAYAY GORAKHPUR UNIVERSITY, GKP. has participated in National Inter-University Debate Competition held on February 22-23, 2020 at G.B. Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar.

Dean Student Welfare | Dean College of Agriculture | Organizing Secretary YUVA 2020